वर्ष: 15 - अंक : 64, मुंबई, बुधवार, 25 जून, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

उद्धव ठाकरे को अजीत का झटका

यूबीटी के इस कट्टर शिवसैनिक ने एनसीपी का थामा हाथ

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को मंगलवार को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने जोरदार झटका दिया है। यूबीटी के पूर्व विधायक महादेव बाबर ने अपनी कलाई पर शिवबंधन खोलकर अजीत पवार की घड़ी चढ़ा ली। बाबर अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ मंगलवार को अजीत की मौजूदगी में राकां (अजीत पावर) के सदस्य बन गए। इस दौरान उनके साथ पुणे, सांगली, हिंगोली, रत्नागिरी, नांदेड़ और हड़पसर के कई नेता और पदाधिकारी भी मौजूद थे। बाबर के पक्ष प्रवेश के मौके पर अजीत ने सभी को मिल कर पार्टी की मजबूती के लिए काम करने का आव्हान किया। अजित ने कहा है कि बाबर का पार्टी में आना एक अच्छा निर्णय है। वे पहले भी उनके साथ काम कर चुके हैं और उनके आने से शहर में पार्टी की ताकत बढ़ेगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे को कैबिनेट की मंजूरी

20 हजार करोड़ होगी प्रोजेक्ट की लागत

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। समृद्धि महामार्ग के बाद अब राज्य सरकार ने शक्तिपीठ महामार्ग बनाने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्ववाली महायुति सरकार की मुंबई मंत्रालय में मंगलवार को कैबिनेट बैठक हुई। इस बैठक में 3.5 शक्तिपीठों, 2 ज्योतिलिंगों और पंढरपुर अंबाजोगाई समेत 18 तीर्थ स्थलों को जोड़ने वाले शक्तिपीठ महामार्ग परियोजना की डिजाइन और भूमि अधिग्रहण के लिए कैबिनेट ने 20,787 करोड़ की मंजूरी दे दी है। परियोजना का क्रियान्वयन निगम के माध्यम से किया जाएगा। महाराष्ट्र शक्ति पीठ महामार्ग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। शक्तिपीठ महामार्ग राज्य के 12 जिलों (वर्धा, यवतमाल, हिंगोली, नांदेड़, परभणी, बीड, लातूर, धाराशिव, सोलापुर, सांगली, कोल्हापुर और सिंधुदुर्ग) को जोड़ेगा।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बच्चू कडू को हाई कोर्ट से मिली राहत

अमरावती बैंक मामले को लेकर बड़ा फैसला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। स्थानीय जिला मध्यवर्ती बैंक के अध्यक्ष रहने वाले पूर्व राज्यमंत्री बच्चू कडू को विभागीय सहनिबंधक द्वारा 13 मई 2025 को जारी आदेशानुसार अध्यक्ष पद सहित बैंक के संचालक पद को अयोग्य ठहरा दिया गया। इसी आदेश को चुनौती देते हुए अब हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका पर देर शाम तक चली लंबी सुनवाई के बाद न्यायाधीश अनिल पानसरे ने विभागीय सहनिबंधक द्वारा दिए गए आदेश पर रोक लगा दी। विभागीय सहनिबंधक ने आदेश देते हुए बच्चू कडू पर अमरावती डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक की व्यवस्थापन समिति के शेष कार्यकाल में नामनिर्देशित, स्वीकृत, नियुक्त व निर्वाचित होने पर भी पाबंदी लगा दी थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ई-कैबिनेट वाला छठवां राज्य बना महाराष्ट्र

स्मार्ट टैबलेट के जरिए बिना कागज की बैठक, पर्यावरण संरक्षण पर जोर

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। इसमें कई बड़े फैसले लिए गए। महत्वपूर्ण यह रहा कि कैबिनेट की बैठक में कागजों का इस्तेमाल नहीं किया गया। पर्यावरण के हित तथा कागज की खपत को कम करने और सरकारी कार्यों को अधिक पारदर्शी व कुशल बनाने के मकसद से बैठक में स्मार्ट टैबलेट का उपयोग किया गया। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा के बाद महाराष्ट्र ई-कैबिनेट प्रणाली शुरू करने वाला राज्य का छठवां राज्य बन गया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

ई कैबिनेट के हैं कई फायदे

एक अधिकारी ने कहा कि ई-कैबिनेट को हरित पहल बताते हुए सरकार का उद्देश्य सरकारी कामकाज को अधिक पारदर्शी और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बनाना है। ई कैबिनेट प्रणाली एक समर्पित पोर्टल के माध्यम से कैबिनेट के निर्णयों को नागरिकों तक पहुंचाएगी। सरकार प्रशासनिक प्रक्रियाओं में तेजी लाने और नागरिकों को समय पर कैबिनेट के निर्णयों के बारे में जानकारी सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिए जाने के बाद डिजिटल पहल को अपना रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

शक्ति के नई समीकरण

इजराइल और ईरान के बीच मौजूदा लड़ाई का असल पैगाम पश्चिम एशिया और उस क्षेत्र के बाहर भी नए उभरे शक्ति समीकरण हैं, जिन्होंने पुराने संतुलन को तोड़ दिया है। विश्व की पुरानी व्यवस्थाएं भी बेअसर हो गई हैं।

सात अक्टूबर 2023 को हमास के हमलों के साथ पश्चिम एशिया में शुरू हुए युद्ध के नए दौर का दायरा क्षेत्रीय से बढ़ते हुए रविवार को पार-क्षेत्रीय (ट्रांस रीजनल) हो गया, जब अमेरिका इसमें प्रत्यक्ष रूप से शामिल हुआ। उसने ईरान के परमाणु ठिकानों पर बम गिराए। जवाब में सोमवार को कतर और इराक स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर ईरान ने हमले किए। वैसे अलर्ट बहरीन और कुवैत स्थित अमेरिकी अड्डों पर भी जारी किया गया था। इन दो आक्रमणों के बीच एक अहम घटना ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची की मास्को यात्रा रही, जहां उनकी सीधी बातचीत रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से हुई। उसके बाद क्रेमलिन ने एलान किया कि ह्यईरान को जो भी जरूरत होगी, रूस उसे पूरा करेगा। इसके पहले पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने यह कह कर सनसनी मचा दी थी कि ह्यकई देश ईरान को परमाणु अस्त्र देने को तैयार हैं। इसके बाद चर्चा फैली की उत्तर कोरिया से कोई रहस्यमय खेप तेहरान के लिए रवाना हो चुकी है। उधर चीन ने, खुद को पृष्ठभूमि में रखते हुए भी, यह संकेत देने में कोई कोताही नहीं बरती है कि वह ईरान के पक्ष में मजबूती से खड़ा है। इन समीकरणों का असर हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कतर एवं इराक में अमेरिकी अड्डों पर ईरानी हमलों के प्रति अगंभीर रुख अपनाते हुए ईरान-इजराइल के बीच युद्धविराम का एलान कर दिया है। हालांकि शुरुआती प्रतिक्रिया में ईरान ने इससे असहमति जताई, मगर संकेत हैं कि 13 जून से शुरू हुई लड़ाई जल्द ही थम सकती है। बहरहाल, इस बीच इजराइल की अभेद्यता का भ्रम ईरान तोड़ चुका है। इजराइली सैन्य एवं खुफिया तंत्र के अनूठेपन की धारणा भी भंग हो गई है। भारी नुकसान ईरान को भी हुआ है, लेकिन वह अपेक्षित ही था। इसलिए मौजूदा लड़ाई का असल संदेश पश्चिम एशिया और उस क्षेत्र के बाहर भी नए उभरे शक्ति समीकरण हैं, जिन्होंने पुराने संतुलन को तोड़ दिया है। विश्व की पुरानी व्यवस्थाएं भी बेअसर हो गई हैं। अतः अब नई परिस्थितियों से तालमेल बनाने की चुनौती सभी देशों के सामने है।

अजय पाठक के ध्रुपद गायन ने बांधा समाँ

देवकीनंदन दीक्षित सभा गृह में हुआ कार्यक्रम अनहद का आयोजन

मुंबई हलचल/संवाददाता

बिलासपुर, छत्तीसगढ़। श्री कला मंजरी कथक संस्थान और भातखंडे संगीत महाविद्यालय के तत्वाधान में देवकीनंदन दीक्षित सभा गृह में संगीत में कार्यक्रम अनहद का आयोजन हुआ। जिसमें ध्रुपद गायन और ध्रुपद की बंदिश गणेश परण की कथक शैली में प्रस्तुति हुई। ध्रुपद गायन भारत का प्राचीन और अवार्चीन गायन शैली और अंग है। ध्रुपद की परंपरा भारतीय संगीत की सबसे पुरानी परंपरा है जिसमें ही पारसी और ईरानी के आने के बाद ख्याल परंपरा का जन्म हुआ बिलासपुर शहर में नई दिल्ली से पधारे अजय पाठक शिष्य रहे हैं पंडित अभय नारायण मलिक के जो की गौड़वाणी

दरभंगा घर आने के ध्रुपद गायक रहे हैं ध्रुपद गायन की परंपरा का मुख्य आधार शिव और शिव से जुड़े रंग हैं बाद में समय अनुसार इसमें भगवान कृष्ण के भी रस के रंग सम्मिलित होते गए प्रस्तुत किए जा रहे कार्यक्रम में सर्वप्रथम गायक ने राग यमन, ताल धामर, चौताल तत्पश्चात लाल शूल तालमें मे मल्हार की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरूआत में पंडित बिरजू महाराज के शिष्य रितेश शर्मा के शिष्यों द्वारा लाल चौताल और राह शंकर पर आधारित गणेश परण की प्रस्तुति द्रुपद में की गई। इस अवसर पर स्पीक मेके के छत्तीसगढ़ कोऑर्डिनेटर अजय श्रीवास्तव, सिम्स के डीन डॉक्टर रमणेश मूर्ति, विवेक जोगलेकर, शुभदा जोगलेकर, सतीश जायसवाल, डॉक्टर विप्लव चक्रवर्ती, ममता चक्रवर्ती, देवेंद्र शर्मा रितेश शर्मा शीला शर्मा, डॉ विजय शर्मा सहित भातखंडे संगीत महामाया विद्यालय के छात्र-छात्राएं वह स्टाफ सहित बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित थे। पाठक के ध्रुपद गायन में संगत में उनके सुपुत्र अनिकेत पाठक पखावज पर, हारमोनियम में लहरों पर सचिन सिंह बरगाह तानपुरे में सुभाष गुप्ता एवं प्रशांत जायसवाल ने संगत दी।

आयु मात्र 29 वर्ष और 11 विषयों में एमए, अब होगी कार्रवाई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जयपुर (डॉ. चेतन ठठेरा)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं के अन्तर्गत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों की जांच में बिना योग्यता आवेदन करने के कई प्रकरण सामने आए हैं। ऐसा ही एक चौकाने वाला मामला वर्तमान में आयोजित की जा रही प्राध्यापक एवं कोच प्रतियोगी परीक्षा-2024 से जुड़ा है जो सामने आया है की एक हिला अभ्यर्थी 29 साल की आयु में 11 विषयों में एमए कर रखा है। आयोग सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रकरण में मनीषा कटारा पुत्री नाथू कटारा निवासी भीमखोरा, ग्राम टांडीकलां, तहसील कुशलगढ़, जिला बांसवाडा ने स्वयं को 11 विषयों में एमए बताते हुए इन विषयों के पदों हेतु आवेदन किए हैं। आयोग द्वारा इस संबंध में अभ्यर्थी मनीषा कटारा के ऑनलाइन आवेदन में दिए गए रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर संपर्क कर अवगत कराने का प्रयास भी किया पर अभ्यर्थी ने न तो फोन उठाया न ही पुनः संपर्क का

प्रयास किया। अब आयोग महज 29 वर्ष की आयु में 11 विषयों में डिग्री की असत्य घोषणा कर आवेदन करने के इस प्रकरण में व्यक्तिगत सुनवाई कर अभ्यर्थी के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करेगा।

इन विषयों में एमए होने का दावा

राजनीति विज्ञान, इतिहास, बॉयोलोजी, केमिस्ट्री, सोशियोलॉजी, इकोनोमिक्स, पंजाबी, ड्राइंग, होम साइंस, राजस्थानी म्यूजिक आयोग सचिव ने बताया कि आयोग की भर्ती परीक्षाओं में ऑनलाइन आवेदन करते समय आवेदक द्वारा यह घोषणा की जाती है, कि आवेदन में दी गई सभी जानकारी स्वज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है। जानकारी यदि झूठी या गलत होने का पता चलता है तो आयोग मेरे विरूद्ध कार्यवाही कर सकता है। वर्तमान में आयोग 24 विषयों के कुल 2202 पदों के लिए 5.83 लाख अभ्यर्थियों हेतु राज्य के 21 शहरों में 904 परीक्षा केंद्रों पर प्राध्यापक एवं कोच प्रतियोगी परीक्षा का आयोजन कर रहा है। इन विभिन्न विषयों की परीक्षा तिथि का निर्धारण इस प्रकार करने का प्रयास किया जाता है, कि विभिन्न विषयों में आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की परीक्षा तिथियों में टकराव न हो। ऐसे में बिना वांछित योग्यता आवेदन करने वाले असत्य आवेदकों के कारण परीक्षा कार्यक्रम का निर्धारण करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। आयोग द्वारा इस प्रकार के अपात्र आवेदकों को आवेदन विड्रा करने का अवसर भी दिया गया था। इस पर भी कई अपात्र आवेदकों द्वारा ऑनलाइन आवेदन विड्रा नहीं किए गए हैं। अब आयोग द्वारा ऐसे अभ्यर्थियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध कार्यवाही आरंभ कर दी गई है।

योग से जीवन में संतुलन आ जाता है - विमलेश बंसल दर्शनाचार्या

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। केंद्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में योग की महत्ता विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 727 वाँ वेबिनार था।वैदिक विदुषी दर्शनाचार्या विमलेश बंसल आर्या ने योग का जीवन में महत्व पर बोलते हुए कहा कि योग से सभी रोग दूर हो व्यक्ति के जीवन में नूर आ जाता है।तन का अनुशासन,मन पर नियंत्रण तथा जीवन में संतुलन आ जाता है। योग करने वाले साधक को योग के बारे में सही जानकारी तथा योग के लाभ ज्ञात होना बहुत आवश्यक है। जब तक लाभ नहीं पता होगा तब तक वह योग की ओर नहीं बढ़ सकता।वस्तुतः योग एक व्यापक शब्द है जिसको कर्मों के भीतर लाना अति आवश्यक है।आसन प्राणायाम भी योग के दो महत्वपूर्ण अंग हैं उन्हें हम नकार नहीं सकते,किंतु योग की पूर्णता हेतु हमें अपने

प्रति, समाज के प्रति तथा ईश्वर के प्रति व्यवहार में भी शुद्धि लानी अति आवश्यक है तथा निष्काम कर्म करते हुए चित्त की वृत्तियों के बाह्य व्यापार को मानसिक नियमन द्वारा रोक कर तथा आंतरिक होकर मन द्वारा ईश्वर को संज्ञान में लाकर स्वयं को ईश्वर से जोड़ना होगा,इसके लिए धारणा, ध्यान और समाधि अर्थात ईश्वर के गुण कर्म स्वभाव के आधार पर ईश्वर की खोज करते हुए समाधान की ओर बढ़ना ही होगा।योग को जीवन में लाने के लिए देव बन कर जीना ही होगा,इसके लिए योगमय स्थिति बनानी होगी।समता, संतुलन, अनुशासन से जीवन को भरना होगा, तभी योग सिद्ध हो सकेगा अन्यथा योग का पूर्ण लाभ नहीं मिल सकेगा। मुख्य अतिथि वीरेंद्र आहूजा व अध्यक्ष रजनी चुघ ने योग को जीवन में अपनाने पर बल दिया।परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण कुमार आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर,कुसुम भण्डारी, जनक अरोडा, कमला हंस आदि के मधुर भजन हुए। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान प्रभारी भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

एडवोकेट उज्वल निकम क्रांतिवीर कैप्टन रामभाऊ लाड जीवन गौरव पुरस्कार से सम्मानित किए गए

सांगली। तहसील पलूस के ग्राम कुंडल मे महान स्वतंत्रता सेनानी क्रांतिसिंह नाना पाटिल के ब्रिटिश सरकार विरोधी तूफान सैनिक कैप्टन रामभाऊ लाड की 103वीं जयंती के अवसर पर दिया जाने वाला जीवन गौरव पुरस्कार प्रसिद्ध वकील एडवोकेट उज्वल निकम को कुंडल में सरोज माई पाटिल द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर पूर्व संसद राजू शेट्टी, पुणे स्नातक विधायक अरुण अण्णा लाड, इतिहास शोधकर्ता श्रीमंत कोकाटे सर, शैलजा भाभी पाटिल, महेंद्र अप्पा लाड, किरण तात्या लाड, गिरिप्रेमी समूह के रविदादा ढमढेरे।

कार्यक्रम का परिचय एडवोकेट दीपक लाड ने दिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्रांतिसिंह नाना पाटिल के नेतृत्व में कुंडल के घर-घर में स्वतंत्रता सेनानी तैयार हुए। ब्रिटिश सरकार के जुल्मी शासन के विरुद्ध उतर कर काफी संघर्ष किया। एडवोकेट दीपक लाड ने स्वतंत्रता के बाद के दौर में भाऊ के कुश्ती प्रेम सहित कई घटनाओं के माध्यम से कैप्टन भाऊ की यादों को जीवंत किया। सरोज माई ने अपने भाषण के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भागीदारी और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके द्वारा अनुभव किए गए रोमांचकारी संघर्ष को जीवंत किया और संदेश दिया कि समाज के लिए लड़ने वालों के घरों को समाज द्वारा चलाया जाए, तभी आंदोलन जीवित रहेंगे और बढ़ेंगे। पुरस्कार विजेता एडवोकेट उज्वल निकम ने कैप्टन रामभाऊ लाड को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड के लिए चुनने के लिए चयन समिति को धन्यवाद दिया और कहा कि मैं बचपन से ही स्वतंत्रता आंदोलन में कुंडल और कुंडल के क्रांतिकारी नायकों का नाम सुनता आ रहा हूं। उनके बलिदान की वजह से ही हम आज इस स्वतंत्रता का आनंद ले रहे हैं और हम सभी को इसे जीवित रखने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। सम्मान पत्र प्रो. संतोष जाधव ने पढ़ा। कार्यक्रम का संचालन शिवाजी रावल और विक्रांत पाटिल ने किया। किरण लाड ने कार्यक्रम के लिए धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

क्रांतिकारी रामभाऊ लाड की 103वीं जयंती के अवसर पर दिया जाने वाला जीवन गौरव पुरस्कार के कार्यक्रम में जेके बापू जाधव, बाळासाहेब बापू पवार पद्माकर जगदाळे, सुष्मिता जाधव डॉ साधना पवार, प्रतिभा गुरव, आशा पाटील करिष्मा जाधव, किरण तात्या लाड सर्जेराव पप्पा पवार उत्तम भाऊ पवार, राजन पवार, बाळासाहेब लाड अशोक जाधव राजमाने साहेब महेश खराडे, गणेश शेवाळे, बाळासाहेब बेंद्रे पाटील विनोद गलांडे साहेब, पी एन पाटील ,चंद्रकांत पाटील,अँड श्रीकांत देशमुख अँड महेश शानबाग, राजेश गडकरी प्रल्हाद पाटील राहुल पाटील, सारिका पाटील,एवं आमंत्रित गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

वांछित फाउंडेशन की टीम ने पतंजलि योग समिति संगठन संग योग किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर, 21 जून 2025 को प्रातः 7:00 बजे, लोदी गार्डन, नई दिल्ली में एक भव्य 1000 से भी अधिक लोगों का योग कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिल्ली पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी आदरणीय श्याम गुप्ता जी के निमंत्रण पर, वांछित फाउंडेशन की संस्थापिका एवं योग आचार्या,डॉ. सुनीता मेहरोत्रा ने अपने योग साधकों के साथ योग का प्रदर्शन किया। यह आयोजन योग के महत्व और इसके लाभों को प्रदर्शित करने का एक अद्भुत अवसर था। डॉ. सुनीता मेहरोत्रा ने दिल्ली पतंजलि योग समिति के राज्य प्रभारी श्याम गुप्ता को निमंत्रण देने के लिए वांछित फाउंडेशन की ओर से धन्यवाद दिया। प्रोटोकॉल के पश्चात वांछित फाउंडेशन दिल्ली टीम के बच्चों का योग प्रदर्शन हुआ जिसकी सबने खूब प्रशंसा की। डॉ सुनीता मेहरोत्रा का मानना है कि योग को एक जन मानस तक लाने का उत्तम कार्य का श्रेय श्रद्धेय स्वामी रामदेव, संस्थापक पतंजलि योग पीठ, हरिद्वार को जाता है। स्वामी रामदेव जी को योग को लोकप्रिय बनाने के लिए भारत रत्न मिलना चाहिए।

कानपुर में नियम विरुद्ध बने स्विमिंग पुल में डूबने से युवक की मौत : जांच शुरू

कानपुर। गहरे में तैरने की तमन्ना ने एक और युवक की जान ले ली । उसकी नियम विरुद्ध बने स्विमिंग पूल में डूबने से मौत हो गई। डूबने वाला युवक 2 मिनट में कई बार पानी के ऊपर आया और गहराई में गया। लेकिन पूल में पार्टी कर रहे दोस्तों ने ध्यान नहीं दिया। जब दोस्तों को शक हुआ। उसे स्विमिंग पूल से बाहर निकाला, लेकिन तब तक शरीर पूरी तरह से ठंडा पड़ चुका था। सूचना पर पहुंची चकेरी पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। घटना के बारे में प्राप्त जानकारी के मुताबिक यशोदा नगर निवासी शिखर सिंह (24) नगर निगम में ठेकेदारी करता था। पिता शैलेंद्र सिंह ने बताया कि घटना के समय दोस्तों के साथ सनिगवां के वॉटर वॉल स्वीमिंग पूल में पार्टी करने गया था। सभी दोस्तों ने पहले वहां पर पार्टी की। इसके बाद स्वीमिंग पूल में नहा नहाने लगे। इस दौरान अचानक उनका बेटा पानी में हाथ पैर मारने लगा। वह धीरे-धीरे पानी के अंदर जाने लगा। दोस्तों को लगा कि वह इंजॉय कर रहा है। सभी दोस्त मस्ती करने लगे। 2 मिनट के अंदर वह पानी में डूब गया। उसकी मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा उपायों को लेकर नियम विरुद्ध संचालित स्विमिंग पूल मामले में पुलिस द्वारा जांच भी शुरू कर दी गई है। वहीं घटना से मृतक के परिवार में लगातार कोहराम मचा हुआ है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

उद्धव ठाकरे को अजीत का झटका

उन्होंने आगे कहा कि सभी को बड़े पद नहीं मिलते, लेकिन छोटे पदों से भी अपनी कार्यक्षमता साबित कर सकते हैं। अजीत ने कहा कि जल्द ही स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं के चुनाव होंगे। इससे पहले लोग हमारे साथ जुड़ रहे हैं। हमें जोड़ने वाली राजनीति करनी है, जैसा हमें यशवंतराव चव्हाण साहब ने सिखाया। हम सभी को मिलकर काम करना होगा। हम अलग-अलग विभागों के माध्यम से आम जनता की समस्याओं को हल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिवेशन के बाद वे राज्य का दौरा करेंगे और उससे पहले प्रदेश अध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे दौरा करेंगे। अजीत ने नए लोगों से संगठन को मजबूत करने और बड़े पैमाने पर सदस्यता अभियान चलाने का आव्हान किया। लेकिन इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में किसी भी आपराधिक छवि वाले व्यक्ति को साथ में नहीं लेना है। प्रतिष्ठा महत्वपूर्ण है, महिलाओं का अपमान नहीं होना चाहिए और कोई भी उद्दंडता नहीं होनी चाहिए।

बच्चू कडू को हाई कोर्ट से मिली राहत

बच्चू कडू की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरएल खापरे, अधि. पीए कडू और राज्य सरकार की ओर से सहायक सरकारी वकील एजी माटे एवं हरिभाऊ मोहोड सहित अन्य प्रतिवादियों की ओर से अधि. एचडी डांगरे ने पैरवी की। मंगलवार को सुनवाई के दौरान अमरावती जिला मध्यवर्ती बैंक के संचालक हरिभाऊ मोहोड और अन्य 11 संचालकों की पैरवी कर रहे वकील ने याचिका का कड़ा विरोध किया। वकील का मानना था कि विभागीय सहनिबंधक के आदेश को चुनौती देने के याचिकाकर्ता के पास विकल्प होने के बावजूद हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया है। याचिकाकर्ता ने पहले विभागीय सहनिबंधक के आदेश को राज्य सरकार के सहकार विभाग मंत्री के पास अपील दायर कर चुनौती देना था। प्रतिवादियों की इस दलील से कोर्ट ने असहमति जताते हुए कहा कि मुंबई हाई कोर्ट ने पहले ही सजा पर रोक लगा दी है। विभागीय सहनिबंधक के आदेश पर रोक लगाने का आदेश भी दिया। सुनवाई के दौरान बच्चू कडू की पैरवी कर रहे वकील ने कहा कि भले ही नासिक कोर्ट ने कडू को एक साल के कारावास की सजा सुनाई है लेकिन नासिक कोर्ट के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दिए जाने के बाद कोर्ट ने इस सजा पर रोक लगा दी थी। वे उस वक्त जिला बैंक के अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य नहीं थे। वकील ने कहा कि सजा पर रोक लगाना ही स्थगित किए जाने जैसा है। ऐसे में विभागीय सहनिबंधक द्वारा दिया आदेश कानून की नजरों में तर्कहीन है।

ई-कैबिनेट वाला छठवां राज्य बना महाराष्ट्र

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद अस्तित्व में आई मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्ववाली महायुति सरकार पारदर्शिता पर खासा जो दे रही है। मुख्यमंत्री फडणवीस सरकार को भ्रष्टाचार के कलंक से बचाने के लिए कई कदम उठा रहे हैं। ई-कैबिनेट का निर्णय इसी दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण कदम बताया जा रहा है। इसकी घोषणा सरकार गठन के तुरंत बाद जनवरी महीने में हुई कैबिनेट बैठक में कर दी गई थी। बता दें कि मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक के लिए सरकार की ओर से सभी मंत्रियों को स्मार्ट टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। कैबिनेट बैठक का मुद्दा एक दिन पहले मंत्रियों के टैबलेट में एक विशेष साइट पर अपलोड कर दिया जाएगा तथा बैठक में हुई चर्चा निर्णय भी इसमें अपलोड किए जाएंगे।

शक्तिपीठ एक्सप्रेसवे को कैबिनेट की मंजूरी

आगे इसे गोवा-महाराष्ट्र सीमा पर कोंकण एक्सप्रेसवे से जोड़ने की सरकार की योजना है। शक्तिपीठ महामार्ग महाराष्ट्र के शक्ति पीठों को जोड़ने का एक प्रयास है। इसके माध्यम से पर्यटन, परिवहन और ग्रामीण विकास को प्राप्त करने का लक्ष्य सरकार ने निर्धारित किया है। शक्तिपीठ महामार्ग राज्य के प्रमुख शक्ति पीठों माहुर, तुलजापुर और कोल्हापुर के साथ-साथ अंबाजोगाई तीर्थ स्थलों को भी जोड़ेगा। साथ ही, अंबाजोगाई में स्थित प्राचीन मराठी कवि मुकुंदराज स्वामी, जोगाई देवी और 12 ज्योतिर्लिंगों में से 2 औंधानागनाथ और परली वैजनाथ के साथ-साथ दत्त गुरुओं के धार्मिक स्थल कारंजा-लाड, अक्कलकोट, गंगापुर, नरसोबाची वाड़ी और औदुंबरा को भी जोड़ेगा। शक्ति पीठ महामार्ग (हाई स्पीड हाईवे) राज्य के पूर्व में पवनार (वर्धा जिला) से पश्चिम में पात्रा देवी (सिंधुदुर्ग जिला) तक महाराष्ट्र-गोवा सीमा को जोड़ेगा। यह एक्सप्रेसवे 802.592 किलोमीटर लंबा होगा। यह राजमार्ग नागपुर से गोवा की यात्रा की दूरी 18 घंटे से घटाकर 8 घंटे कर देगा। इस परियोजना के भूमि अधिग्रहण के लिए हुडको द्वारा 12 हजार करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया है। इस निधि से लगभग 7,500 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जाएगी। पूरी परियोजना को महाराष्ट्र सड़क विकास निगम द्वारा क्रियान्वित किया जाएगा।

मौत के साए से लौटे, लगा हमारी जिंदगी की ये आखिरी रात

ईरान में जंग का भयानक मंजर देखकर लौटे भारतीय छात्रों ने सुनाई आपबीती

ईरान से भारतीयों का लौटना जारी वापसी पर बयां कर रहे दर्द

बीती रात 285 लोगों को भारत लाया गया सुरक्षित

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

तेहरान के डिस्ट्रिक्ट 6 में रहने वाली सईदा को अपने हॉस्टल में मची अफरातफरी याद है। जहां वह अपनी जान बचाने की उम्मीद के साथ भागकर बेसमेंट में छिप रही थीं। सईद ने बताया, 'चारों तरफ बमबारी और विस्फोटों की आवाजें थीं। हमें अपनी जान बचाने के लिए बेसमेंट में छिपना पड़ा। हमें लगा कि हम मर जाएंगे। हमें लगा ये हमारी जिंदगी की आखिरी रात होगी।' 'धमाकों की आवाज से हम सो नहीं पा रहे थे। ये बहुत डरावना समय था।'फिर भारतीय दूतावास ने छात्रों को तेहरान से कोम और यज्द जैसे शहरों में भेजना शुरू कर दिया। वे लोग रिस्पांसिव थे। हमने जब भी फोन किया, उन्होंने उठाया। उन्होंने हमें शहर से बाहर करने और रहने में काफी मदद की।

वो तारीख वह समय कभी नहीं भूलूंगा

इसी तरह , अलीपुर, कर्नाटक के रहने वाले सैय्यद मोहसिन रजा भी उन भारतीय छात्रों में शामिल हैं, जो ईरान से सुरक्षित वापस लौटे हैं। मोहसिन ने कहा, '13 जून को शाम के 3:30 बज रहे थे, मैं उस तारीख को कभी नहीं भूलूंगा, मैं उस समय को कभी नहीं भूलूंगा। हमारे हॉस्टल से सिर्फ एक किलोमीटर की दूरी पर मिसाइलें दागी गईं। एक धमाके की आवाज आई, जैसे कि बिजली गरज रही हो। पहले तो हमें समझ में नहीं आया कि क्या हुआ था, लेकिन फिर हमें एहसास हुआ कि ये मिसाइल हमला था। हम हैरान थे, हिल गए थे, समझ नहीं पा रहे थे कि क्या करें।'

अपनी आंखों के सामने देखा मिसाइल चलते

मोहसिन शाहिद बेहेश्ती यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस कर रहे थे। वह फर्स्ट ईयर में हैं, लेकिन अब उन्हें भारत लौटना पड़ा है। उन्होंने बताया कि इजरायली हमलों की वजह से तेहरान में इमारतें थर्राने लगीं। सिर्फ इतना ही नहीं, शॉकवेव से दीवारें कांप रही थीं। कई इमारतों की खिड़कियां भी टूट गईं। हमारे सामने वाली बिल्डिंग हिल रही थी। हमने मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम को अपनी आंखों से देखा। उसके बाद, हमने भारतीय दूतावास से संपर्क किया और इसके बाद हम भारत पहुंचे।

अब तक 1713 भारतीयों की सुरक्षित वापसी

ईरान और इजराइल के बीच युद्ध बढ़ता जा रहा है। इजराइल और ईरान दोनों ही देश एक से बढ़कर एक हमले कर रहे हैं। ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को ऑपरेशन सिंधु के तहत बीती रात 285 लोगों को सुरक्षित भारत लाया गया। देर रात एक स्पेशल प्लेन के जरिए भारतीय नागरिकों को दिल्ली लाया गया। वापस लौटे भारतीयों को भारत की विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने दिल्ली एयरपोर्ट पर रिसीव किया। फंसे भारतीय नागरिकों की भारत में सुरक्षित वापसी के लिए भारत सरकार ने 18 जून को ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत की थी। 1713 भारतीयों को अब तक ऑपरेशन सिंधु के तहत सुरक्षित स्वदेश लाया गया है।

शादी के 2 महीने बाद बदले पति के तेवर, गुड न्यूज आते ही पत्नी से करने लगा ये मांग; अब घर से निकाला

बरेली। यूपी के बरेली में शादी के दो महीने बाद ही पति के तेवर बदल गए। आरोप है कि सरकारी शिक्षक के पद पर चयन की गुड न्यूज मिलते ही उसने पत्नी से दहेज में 50 लाख रुपए लाने की मांग करनी शुरू कर दी। पत्नी के घरवाले यह मांग पूरी नहीं कर पाए तो जालिम पति और ससुराल वालों ने युवती पर जुल्म ढाना शुरू कर दिया। ऐसे ही प्रताड़ना सहते हुए कुछ साल गुजर गए लेकिन इस साल 10 मई को तो हद ही हो गई। पति ने उसे घर से निकाल दिया। राज्य महिला आयोग के निर्देश पर अब इस मामले में थाना इज्जतनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बरेली के ही बिहारमान नगला निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि उनकी शादी कांधरपुर के युवक से हुई थी। युवती के मुताबिक शादी में उसके मायके वालों ने 11 लाख रुपये खर्च किए गए। कुछ दिन तक तो सब कुछ ठीक रहा लेकिन शादी के करीब दो महीने बाद पति सरकारी शिक्षक बन गया तो उसने और ससुराल वालों ने 50 लाख की मांग शुरू कर दी। यही नहीं उसे रोज प्रताड़ित किया जाने लगा। तलाक की धमकी दी जाने लगी। ऐसे ही माहौल में कुछ साल निकल गए। युवती का कहना है कि वह इस आस में सब कुछ सहती रही कि एक दिन सब ठीक हो जाएगा।

लेकिन पिछले 10 मई को सारी हदें टूट गईं। चार साल की बेटी के साथ उसे घर से निकाल दिया गया। युवती का आरोप है कि उसे यह धमकी भी दी गई कि अगर खाली हाथ वापस आई तो जिंदा जलाकर मार देंगे क्योंकि पति की शादी 70 लाख रुपये में दूसरी जगह से हो रही है। मायके वालों ने समझाने की कोशिश की तो पति मिट्टी के तेल से भरी केन ले आया और उसके परिजन पर डालकर जलाने की कोशिश की। युवती का कहना है कि पुलिस ने उनकी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की तो उसने राज्य महिला आयोग के निर्देश पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। इसमें पति , ससुर, सास, देवर, दो ननद और अन्य ससुराल वालों को आरोपी बनाया गया है।

ओआईसी की बैठक में पाक की टिप्पणियों पर भारत की दो टूक प्रतिक्रिया

पाकिस्तान की संकीर्ण राजनीतिक सोच का उपकरण बनता जा रहा ओआईसी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की परिषद की एक बैठक में पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ की गई टिप्पणियों को लेकर सोमवार को विदेश मंत्रालय ने बेहद कड़ी प्रतिक्रिया दी। जिसमें एक बयान जारी कर पाकिस्तानी टिप्पणियों को पूरी तरह से तथ्यों से परे और गैरजरूरी करार दिया गया। साथ ही कहा कि आतंकवाद को बतौर राज्य नीति बनाने वाला पाकिस्तान ओआईसी के मंच का लगातार दुरुपयोग कर रहा है।

भारत ने पाक पर निशाना साधते हुए कहा कि पाकिस्तान अपनी तमाम असफलताओं, अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और आंतरिक अव्यवस्था से ध्यान भटकाने के लिए ओआईसी जैसे मंचों का सहारा ले रहा है। जिससे लगता है कि इस्लामिक देशों का यह अंतरराष्ट्रीय मंच पाकिस्तान की संकीर्ण राजनीतिक सोच का उपकरण बनता जा रहा है।

दूसरों को उपदेश देने का अधिकार नहीं

मंत्रालय ने बयान में इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए पाक समर्थित आतंकवादी हमले का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत के केंद्र- शासित प्रदेश के खिलाफ की गई संगठन की टिप्पणियां हमें पूर्णतः अस्वीकार्य हैं। पहलगाम हमले पर साधी गई ओआईसी की चुप्पी वैश्विक आतंकवाद के मामले पर बनी सहमति के निरादर के समान है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और संप्रभु अंग है। ऐसे में ओआईसी को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है।

ओआईसी की बैठक में पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर की भारत की कार्रवाई को अनुचित सैन्य आक्रामकता बताते हुए भारत पर आरोप लगाया था। जिसे मंत्रालय ने अपने बयान में सिरे से खारिज हुए कहा कि ये अभियान भारत की तरफ से आत्मरक्षा में उठाया गया कदम था। जिसके केंद्र में पाकिस्तान के इलाके में सक्रिय आतंकवादी अड्डे थे। भारत ने पाकिस्तान की कथित जवाबी सैन्य कार्रवाई को विफल बताया और कहा उसने जानबूझकर भारत में नागरिक जगहों पर हमले किए। जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए, संपत्ति का नुकसान हुआ। ऐसे में जिस देश में स्वयं मानवाधिकारों के मामले में हालात बहुत अच्छे नहीं हैं, जो दशकों से आतंकवादियों की शरणस्थली बना हुआ है। उसे इन दोनों मामलों में किसी दूसरे देश को उपदेश देने की कोई नैतिक अधिकार या आवश्यकता नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने हासिल किए सभी लक्ष्यः राजनाथ

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर की सैन्य कार्रवाई को लेकर कहा कि इसके जरिए भारत ने अपने निर्धारित किए हुए सभी लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफलता हासिल की। साथ ही ये ही वो अभियान था जिसके जरिए हम आतंकवादियों के मन में डर बिठाने में कामयाब हुए। रक्षा मंत्री ने यह जानकारी राष्ट्रपति भवन में आयोजित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यकाल के दूसरे वर्ष में दिए गए 51 भाषणों के संग्रह का विमोचन करते हुए दी। जिसका शीर्षक विंग्स टू आवर होप्स (वॉल्यूम-2) था।

यहां बता दें कि इस साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने कुल 26 निर्दोष नागरिकों को मौत के घाट उतार दिया था। जिनमें 25 भारतीय और 1 नेपाल का नागरिक था। भारत ने पिछले महीने 7 तारीख को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में मौजूद आतंकवादियों के कुल 9 ठिकानों को नेस्तनाबूद कर पहलगाम हमले का बदला लिया। जिसमें 100 से अधिक आतंकियों को ढेर किया गया। भारत की इस सैन्य कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव चरम पर पहुंच गया था। जिस पर फिलहाल 10 मई की शाम पांच बजे से लागू किए गए संघर्षविराम के बाद अस्थायी रोक लगी हुई है। रक्षा मंत्री ने भी अपने बयान में ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को पहलगाम हमले के बाद भारत की तरफ से दिया गया जवाब बताया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव बोले- सरकार कथावाचक पर कानून बना ले...

इटावा। यूपी के इटावा में कथावाचक के साथ बदसलूकी के मामले में सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। बड़े आंदोलन की चेतावनी के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को लखनऊ में प्रेस वार्ता कर सरकार पर हमला बोला है। सपा मुखिया अखिलेश ने कहा कि समाज में इटावा जैसी घटनाएं हो रही है, भाजपा ऐसी घटनाएं होने देना चाहती है। यह सरकार हार्टलेस है। इस सरकार में बैठे लोग पीडीए को सहन नहीं कर पा रहे है। भगवत कथा सबके लिए है। सब सुन सकते हैं तो बोल क्यों नहीं सकते है।भागवत कथा कौन कह सकता है। इस पर भी सरकार कानून बना ले। अखिलेश यादव ने कहा कि भगवत कथा तो श्री कृष्ण से जुड़ी है। यह वर्चस्ववादी लोग अपना एकाधिकार समझते है। यह लोग तय कर लेते कि पीडीए समाज से दान, चंदा कभी स्वीकार नहीं करेंगे। इन लोगों पर भाजपा सरकार का साथ मिला हुआ है। देश की राष्ट्रपति भी हेय दृष्टि का सामना कर चुके है।

बढ़ते युद्ध तनाव पर विशेषज्ञों ने कहा, भारत पर पड़ेगा असर

ईरान-इजराइल युद्ध बढ़ने से पश्चिम एशिया के साथ भारत का व्यापार होगा प्रभावित

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ईरान और इजरायल के बीच युद्ध के और बढ़ने से इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन सहित पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापार पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि युद्ध ने पहले ही ईरान और इजरायल को भारत के निर्यात को प्रभावित करना शुरू कर दिया है।

अमेरिका ने रविवार को तड़के ईरान के तीन स्थलों पर हमला किया, जिससे वह इजरायल के युद्ध में शामिल हो गया। उसका उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करना है, ताकि एक पुराने दुश्मन को कमजोर किया जा सके, जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है, क्योंकि ईरान ने अमेरिका पर 'खतरनाक युद्ध' शुरू करने का आरोप लगाया है।

व्यापारियों ने कहा, हम मुसीबत में फंस गए

मुंबई स्थित निर्यातक और टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज इंडिया के संस्थापक चेयरमैन शरद कुमार सराफ ने कहा, "इस युद्ध के कारण अब हम बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। इसका पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के व्यापार पर व्यापक असर पड़ेगा।

कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेगी

भारत से माल ढुलाई लाइन अफ्रीकी महाद्वीप को घेरने वाले 'केप ऑफ गुड होप' से खेप ले रही हैं।अब, ईरान-इज़राइल युद्ध के कारण, एक और प्रमुख व्यापारिक मार्ग - होर्मुज जलडमरूमध्य प्रभावित हो रहा है। सराफ ने कहा, "यह मार्ग तेल टैंकर की आवाजाही को प्रभावित करेगा। मुझे लगता है कि तेल टैंकर नए मार्ग खोज लेंगे, लेकिन इससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेंगी।

भारत हूतियों के हमले के प्रभाव से जूझ रहा : सराफ ने कहा कि उनकी कंपनी भी इन दोनों देशों को भेजी जाने वाली खेप रोक रही है। टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज ड्रम क्लोजर, नायलॉन और प्लास्टिक प्लग, कैपसील क्लोजर और क्लैंप बनाती है। भारतीय व्यापारी समुदाय पहले से ही इजरायल-हमास संघर्ष और लाल सागर में माल ढुलाई जहाजों पर यमन समर्थित हूतियों के हमले के प्रभाव से जूझ रहा है।

- भारत के साथ इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन होगें प्रभावित
- दोनों के युद्ध ने पहले ही भारत के निर्यात को किया प्रभावित

भारत के व्यापार को खतरा पैदा हो सकता है

इसका महंगाई पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि कच्चे तेल की कीमतें अन्य उत्पादों के दाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि व्यापक क्षेत्रीय तनाव से इराक, जॉर्डन, लेबनान, सीरिया और यमन सहित व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के साथ भारत के बड़े व्यापार को खतरा हो सकता है, जहां भारतीय निर्यात कुल 8.6 अरब डॉलर और आयात 33.1 अरब डॉलर है।

ईरान को भारत का निर्यात 1.24 अरब डॉलर रहा

पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में ईरान को भारत का निर्यात 1.24 अरब डॉलर रहा, जिसमें बासमती चावल (75.32 करोड़ डॉलर), केला (5.32 करोड़ डॉलर), सोया मील (7.06 करोड़ डॉलर), बंगाल चना (2.79 करोड़ डॉलर) और चाय (2.55 करोड़ डॉलर) शामिल हैं। पिछले वित्त वर्ष में आयात 441.8 अरब डॉलर रहा था। वित्त वर्ष 2024-25 में इजरायल के साथ भारत का निर्यात 2.1 अरब डॉलर और आयात 1.6 अरब डॉलर रहा।

माल ढुलाई और बीमा लागत में होगी वृद्धि

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, "इस गलियारे में माल ढुलाई लेन, बंदरगाह तक पहुंच या वित्तीय प्रणालियों में कोई भी व्यवधान भारत के व्यापार प्रवाह को बुरी तरह प्रभावित करेगा, माल ढुलाई और बीमा लागत में वृद्धि करेगा, और भारतीय व्यवसायों के लिए नए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम पैदा करेगा।"

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, पुलिस की सुरक्षा में चलेंगे श्रद्धालु, ड्रोन से भी होगी निगरानी

शाहजहांपुर। अगले महीने शुरू होने जा रहे सावन महीने को लेकर प्रशासन अभी से अलर्ट हो गई है। शाहजहांपुर जिले से होकर गुजरने वाले कांवड़ यात्री इस बार पुलिस की सुरक्षा में अपने गंतव्य की ओर रवाना होंगे। जिले में पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाये जा रहे हैं और निगरानी के लिये ड्रोन कैमरों का भी इस्तेमाल किया जाएगा। बता दें कि इस बार श्रावण मास 11 जुलाई से 9 अगस्त तक होगा। कांवड़ यात्री पड़ोस के जिले फर्रुखाबाद के पांचाल घाट से गंगा जल लेकर लगभग 160 किलोमीटर का रास्ता तय करके लखीमपुर खीरी जिले के गोला गोकर्णनाथ स्थित शिव मंदिर पर जलाभिषेक करते हैं। इस दौरान कांवड़िये शाहजहांपुर जिले के अंदर 100 किलोमीटर के रास्ते से होकर गुजरते हैं। इस बार पुलिस प्रशासन ने कांवड़ियों को सुरक्षा देने के खास बंदोबस्त किये हैं। इसे लेकर पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने मंगलवार को बताया कि इस बार जिले के संपूर्ण कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालु पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में रहेंगे। यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले हर थाने के बाहर एक शिविर लगाया जाएगा जिसमें पुलिस बल तैनात रहेगा।

एसपी ने बताया कि शिविर के प्रभारी अपने थाने की सीमा तक पुलिस कर्मियों को कांवड़ियों के दल के साथ भेजेंगे। साथ ही वह अगले थाने को भी सूचित करेंगे ताकि अगला थाना अपने यहां शिविर में तैनात पुलिसकर्मियों को कांवड़ियों के साथ जाने के लिये पहले से ही तैयार कर ले। इसके अलावा पुलिस प्रतिक्रिया वाहन (पीआरवी) पर सवार पुलिस बल भी कांवड़ यात्रा मार्ग पर गश्त करेगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पुलिस के अधिकारी रोस्टर के तहत आवंटित मार्ग पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी का निरीक्षण करने के साथ ही अपनी ऑनलाइन उपस्थिति भी दर्ज कराएंगे। उन्होंने बताया कि निगरानी के लिये सभी कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरे लगवाये जा रहे हैं। इन कैमरों की पहुंच उनके मोबाइल फोन के साथ-साथ मुख्यालय पर बने नियंत्रण कक्ष के पास भी होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या किसी खुफिया सूचना के आधार पर इस बार कांवड़ यात्रा के लिये इतनी कड़ी व्यवस्था की जा रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

10 दिनों में पतले आईब्रो भी होंगे मोटे, इस्तेमाल करें ये तेल

आंखे चेहरे का सबसे ज्यादा खूबसूरत हिस्सा है। इनकी खूबसूरती को और भी बढा देते हैं आईब्रो। जिस तरह हर किसी के चेहरे की शेप अलग-अलग तरीके की होती है उसी तरह आईब्रो शेप में भी बहुत फर्क होता है। पतले की अपेक्षा मोटे और घने आईब्रो चेहरे को ज्यादा आकर्षित बना देते हैं लेकिन कुछ लड़कियों के आईब्रो पतले होते हैं, जिसके लिए उन्हें पैंसिल का इस्तेमाल करना पड़ता है। आज हम आपको कुछ आसान घरेलू नुस्खों के बारे में बता रहे हैं, जिससे आईब्रो की हेयर ग्रोथ बढ़ने लगेगी।

1. कैस्टर ऑयल

कैस्टर ऑयल कम खर्च में हेयर ग्रोथ बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है। कैस्टर आयल की दो बूंदे लेकर अंगुलियों के आईब्रो की 2-3 मिनट मसाज करें। इसके 30 मिनट बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस बात का ध्यान रखें कि यह तेल अगर किसी तरह की जलन करे तो इसका इस्तेमाल करना बंद कर दें।

2. दूध

प्रोटिन और विटामिन से भरपूर दूध बालों को पोषण देने में भी लाभकारी है। रात को सोने के पहले कॉटन बॉल पर थोड़ा सा दूध लगाकर आईब्रो पर लगाएं। इससे बहुत फायदा मिलेगा।

3. नारियल का तेल

रोजाना रात को सोने से पहले आईब्रो पर नारियल का तेल लगाएं। इससे स्किन भी ग्लोइंग और मुलायम बनेगी। आंखों के आसपास झुर्रिया भी नहीं पड़ेगी।

4. एलोवीरा जूस

हेयर ग्रोथ के लिए एलोवीरा जैल भी बहुत फायदमंद है। इससे बालों को न्यूट्रिशियंस भी मिलता है। एलोवीरा जैल आईब्रो हेयर पर लगाने से कुछ ही दिनों में बाल घने होने लगते हैं।

छूट जाएगी चैटिंग की लत बस करें ये काम

आजकल के मॉडर्न जमाने में टेक्नोलॉजी लोगों पर अपना अच्छा खासा असर दिखा रही है। हर कोई चाहता है कि उसके पास बढ़िया मोबाइल, लैपटॉप,कंप्यूटर,ई डायरी के अलावा लेटेस्ट टेक्नोलॉजी हो। भले ही आजकल लोगों के पास समय की कमी है, परिवार या दोस्तों से मिलने या फिर बात करने का समय नहीं है लेकिन मोबाइल पर चैटिंग करने में कुछ लोग दिन में 15-16 घंटे तो बिता ही लेते हैं। जिसका असर उनकी सेहत पर भी पड़ रहा है। जैसे मानसिक रूप से थकान,डिप्रैशन, सर्वाइकल,डिप्रैशन के अलावा और भी बहुत से रोग देखने को मिल रहे हैं। आप भी अपनी इस लत से परेशान हैं तो कुछ टिप्स अपना कर इससे छुटकारा पा सकते हैं। आइए जानें किस तरह से निकले आनलाइन चैटिंग एडिक्शन से बाहर।

चैटिंग नहीं मिलें फेस टू फेस

चैटिंग का मतलब है कि आप अपने दूर के दोस्तों के साथ भी जुड़े हुए हैं लेकिन लोग तो अपने पास बैठे लोगों से भी जब चैटिंग के जरिए बात करनी शुरू कर देते हैं तो यह परेशानी की बात है। कोशिश करें कि कभी-कभार फेस टू फेस भी दूसरों के बातचीत करें। आप इससे आसानी से दूसरों को अपने मन की बात बता सकेंगे। धीरे-धीरे चैटिंग की लत भी छूट जाएगी।

नियम से आफलाइन रहें

अपनी लाइफ में यह नियम बनाएं कि दिन में कम से कम 2 घंटे तक अपनी मोबाइल ऑफ रखें।

ऐसा बैटरी खत्म होने पर नहीं बल्कि आदत बना कर ही स्विच ऑफ करें। धीरे-धीरे समय को बढ़ाते जाएं।

शारीरिक दिक्कतें होना

मोबाइल या इंटरनेट का ज्यादा इस्तेमाल करने वाली महिलाएं जो चैटिंग की लत का शिकार हैं वह सेहत से जुड़ी परेशानियों से गुजर रही हैं। जैसे हड्डियों और जोड़ों में दर्द, आंखों की परेशानियां,थकावट आदि। इसका कारण है घंटों एक ही पॉजीशन में बैठे रहना। एक्सरसाइज न करना इससे धीरे-धीरे हड्डियां कमजोर होनी शुरू हो जाती हैं। शारीरिक फिटनेस के लिए घर से बाहर सैर करने जाएं कोशिश करें कि मोबाइल घर पर ही छोड़ दें।

परिवार को दें पूरी समय

मोबाइल से कुछ देर दूरी बना कर परिवार के साथ समय बिताएं। उनके साथ बाहर घूमने जाएं, शॉपिंग करें, अपनी परेशानियां, दिक्कतें और छोटी-छोटी खुशियां चैटिंग नहीं बल्कि पारिवारिक सदस्यों के साथ बांटें।

हर छोटी-मोटी परेशानियां का हल हैं ये मसाले, ऐसे करें इस्तेमाल

भारतीय रसोई का मसालों से गहरा नाता हैं या यूं कहिए कि यह भारती रसोई का अभिन्न अंग है। इनके बिना खाने का स्वाद अधूरा रहता है, साथ ही में सेहत के नजरिए से भी यह काफी फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में इनकी डिमांड बढ़ जाती है क्योंकि इसमें पाए जाने वाले औषधीय गुण ठंड में शरीर को गर्म रखते हैं और कई तरह की गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। सौंफ-अजवाइन हो या काली मिर्च-लौंग, यह छोटे-छोटे मसाले इतने कमाल के हैं कि आपको लंबी उम्र तक हैल्दी और फिट रखने के लिए काफी हैं। हर मसाले की अपनी अलग ही खासियत हैं लेकिन यह आपको फायदा तभी पहुंचाएंगे जब आप इन्हें उचित समय और सही मात्रा में लेंगे।

1. अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल लगभग हर रसोई में होता है। अजवाइन के छोटे-छोटे दाने पेट संबंधी दिक्कतों को दूर रखते है। अगर आपको अपच की समस्या रहती हैं तो आपको खाने के 5 से 10 मिनट बाद थोड़ी सी अजवाइन गर्म पानी के साथ लेनी चाहिए। इसके अलावा यह पेट के मरोड़, अफारे को ठीक करती हैं। इससे पेट के कीड़े नष्ट होते हैं

2. हल्दी

हल्दी के बिना सब्जी और करी में रंग नहीं आता लेकिन इसके अलावा भी इसके गुण कम नहीं है। विटामिन ए, प्रोटीन व काबोहाईड्रेट जैसे कई खनिज तत्वों से भरपूर हल्दी में जमे कोलेस्ट्रोल को घोलने की शक्ति होती है। इसमें एंटीसेप्टिक , एंटी बायोटिक और एंटी एलर्जिक गुण होते है जो सर्दी खांसी को दूर रखने में मददगार साबित होते हैं। हल्दी खून पतला और साफ करने का काम भी करती हैं। शरीर में किसी तरह के दर्द, बाहरी व अंदरूनी चोट, फ्रेक्चर में हल्दी बेहद कारगर साबित होती हैं। हल्दी मिला दूध सबसे फायदेमंद होता है।

3. जीरा

सब्जी में लगा जीरे का छौंका उसके स्वाद को दोगुना कर देता है। यह खाना पचाने में सहायक होता हैं और एसिडिटी और गैस की परेशानी को दूर रखता है। छाछ में भूना जीरा डालकर पीने से दस्त ठीक हो जाते हैं।

4. सौंठ

सौंठ अदरक का ही रूप हैं बस जब यह गीली होती हैं तो अदरक और सूखने पर सौंठ कहलाती हैं। इसकी तासीर काफी गर्म होती हैं। जिन्हें गठिया या जोड़ों के दर्द की परेशानी रहती हैं उन्हें सौंठ का सेवन करना चाहिए।अदरक की चाय से सर्दी, जुकाम, खांसी, सिरदर्द ठीक से राहत मिलती हैं।

5. लौंग

लौंग के एंटीसेप्टिक गुण संक्रमण को दूर रखते हैं। इसकी चाय पीने से आपका ठंड से तो बचाव रहता ही हैं, साथ ही में भूख भी बढ़ती हैं। सांसों की दुर्गंध दूर करने के लिए आप लौंग बेहद लाभदायक होते हैं। इससे पाचन शक्ति बढ़ती हैं। दांत के जिद्दी दर्द में भी यह बहुत काम आते हैं।

6. इलायची

इलायची दो तरह की होती हैं एक छोटी यानी हरी इलायची और बड़ी यानी काली इलायची। काली इलायची का इस्तेमाल ज्यादातर सर्दियों में ही किया जाता है क्योंकि यह तासीर में गर्म होती हैं। हरी इलायची वाला दूध पाचन क्रिया ठीक रखता हैं इससे तनाव,एसिडिटी दूर होती है। इसके अलावा सांसों में बदबू दूर होती है।

7. काली मिर्च

खाने में काली मिर्च का अलग ही स्वाद आता है। सर्दी-जुकाम और खांसी से बचाव के साथ मलेरिया व वायरल बुखार में भी फायदा पहुंचाती हैं काली मिर्च। यूरिक एसिड के मरीजों के लिए काली मिर्च खाना फायदेमंद होता है।

8. हींग

तासीर से गर्म हींग पित्त प्रधान होती है। गर्भवती को इसका सेवन नहीं करना चाहिए। हींग पेट की गैस को दूर करती है। इसे गुड़ के साथ खाने से पेट के कीड़े नष्ट होते हैं

9. मेथी दाना

मेथी से विटामिन ए , केल्शियम , आयरन , पोटैशियम तथा बी कॉम्लेक्स मिलता है। यह मधुमेह, जोड़ों के दर्द आदि से बचाव करती है। बालों के लिए इसे बहुत अच्छा माना जाता है।

10. दालचीनी

सदियो से आयुर्वेद में इसे औषधीए रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें कैल्शियम, मैगनीज व आयरन भरपूर होता है।

- वजन घटाने में बेहद कारगर
- एसिडिटी में फायदेमंद
- कैंसर से बचाव
- सर्दी खांसी से राहत

11. राई

राई शरीर में गैस नहीं बनने देती और पाचन को सही रखती हैं। इसे अगर आप छाछ के साथ छोंक लगाकर पीए तो दस्त की परेशानी ठीक होती है।

12. धनिया

धनिए की तासीर ठंडी होती है। ये एसिडिटी , पेट की गर्मी, पेशाब की जलन , शरीर की जलन आदि को दूर रखती है। बवासीर के मरीजों को इसका सेवन करने से आराम मिलता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आमिर खान की सितारे जमीन पर हुई हिट

आमिर खान की वापसी फिल्म सितारे जमीन पर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है। मिस्टर परफेक्शनिस्ट की पिछली फिल्म लाल सिंह चड्ढा बुरी तरह फ्लॉप हुई थी, जिसके बाद उन्होंने फिल्मों से तीन साल का ब्रेक लिया था। लेकिन अब सितारे जमीन पर के साथ उन्होंने शानदार कमबैक किया है। फिल्म की कमाई का सिलसिला लगातार जारी है और इसका 5 दिनों का कलेक्शन फिल्म को हिट की कैटेगरी में रखता है। इस इमोशनल ड्रामा फिल्म ने ओपनिंग डे पर 10.7 करोड़ की कमाई कर सभी को चौंका दिया। इसके बाद शनिवार को फिल्म ने 20.2 करोड़ और रविवार को 27.25 करोड़ का कारोबार किया। चौथे दिन यानी सोमवार को फिल्म ने 8.5 करोड़ की कमाई की। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक पांचवें दिन भी फिल्म ने 8.5 करोड़ रुपये की कमाई की। इस तरह फिल्म ने कुल 5 दिनों में 75.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से पोसिटिव प्रतिक्रिया मिल रही है। आमिर खान के साथ-साथ फिल्म में 10 नए चेहरों की भी तारीफ हो रही है। लोगों को फिल्म का कंटेंट पसंद आ रहा है और वीकडेज में भी अच्छी संख्या में दर्शक थिएटर्स तक पहुंच रहे हैं। हालांकि वीकडेज में कमाई थोड़ी धीमी जरूर हुई है, लेकिन फिल्म का ग्राफ अब भी स्थिर है और माना जा रहा है कि दूसरे वीकेंड तक सितारे जमीन पर 100 करोड़ रुपये क्लब में एंट्री कर लेगी।

करिश्मा कपूर का निकनेम लोलो कैसे पड़ा?

90 के दशक की सबसे लोकप्रिय एक्ट्रेसेस में से एक, जिनकी नीली आंखों, मासूम मुस्कान और शानदार अभिनय ने करोड़ों दिलों को जीता। आज भी उनकी फिल्में टीवी पर आते ही दर्शकों को स्क्रीन से जोड़े रखती हैं। 25 जून 1974 को जन्मीं करिश्मा कपूर इस साल अपना 51वां जन्मदिन मना रही हैं। उन्होंने 17 साल की उम्र में फिल्म प्रेम कैदी से बॉलीवुड में कदम रखा था और तब से लेकर आज तक लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि उन्हें लोलो कहकर क्यों बुलाया जाता है? दरअसल, लोलो नाम की कहानी उनके निकनेम से जुड़ी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करिश्मा कपूर की मां बबीता कपूर को मशहूर हॉलीवुड एक्ट्रेस जीना लोलोब्रिगिडा बेहद पसंद थीं। उन्हीं से प्रेरित होकर उन्होंने अपनी बेटी को प्यार से लोलो कहना शुरू किया। यह नाम इतना लोकप्रिय हुआ कि इंडस्ट्री में भी उन्हें इसी नाम से जाना जाने लगा। दिलचस्प बात यह है कि करिश्मा को अभिनय में करियर बनाने के लिए अपने परिवार की परंपराओं के खिलाफ जाकर फैसला लेना पड़ा। कपूर खानदान में उस समय तक लड़कियों को फिल्मों में काम करने की इजाजत नहीं थी। लेकिन मां बबीता के सपोर्ट से करिश्मा ने न केवल अपने सपनों को जिया, बल्कि इंडस्ट्री में एक मजबूत पहचान भी बनाई।